

1. कबीरदास ने किसका खंडन किया है?

- A. शासन पक्ष का  
B. लोगों के विचारों का  
C. संवेदनाओं का  
D. बाह्य आडंबर और रुढ़िवाद (D)

**व्याख्या:** कबीर ने अपने दोहों में बाह्य आडंबर, कर्मकांड और रुढ़िवादी धार्मिक परंपराओं का विरोध किया है।

2. "पीपर पाथर पूजन लागे, तीरथ गर्व भुलाना" पंक्ति में कौन-सा अलंकार है?

- A. उपमा  
B. उत्प्रेक्षा  
C. रूपक  
D. अनुप्रास (D)

**व्याख्या:** इस पंक्ति में 'प' ध्वनि की पुनरावृत्ति हुई है, जो अनुप्रास अलंकार का उदाहरण है।

3. "मसि कागद छुओ नहि, कलम गहि नहि हाथ" पंक्ति के रचयिता कौन हैं?

- A. तुलसीदास  
B. कबीरदास  
C. सूरदास  
D. रहीम (B)

**व्याख्या:** यह प्रसिद्ध पंक्ति संत कबीरदास द्वारा रचित है।

4. कबीर भक्तिकाल के — धारा के कवि थे —

- A. निर्गुण  
B. सगुण  
C. छायावादी  
D. प्रगतिशील (A)

**व्याख्या:** कबीर निर्गुण भक्ति धारा के प्रमुख कवि थे, जिन्होंने निराकार ब्रह्म की उपासना की।

5. वाराणसी का प्राचीन नाम क्या है?

- A. कुशीनगर  
B. काशी  
C. प्रयाग  
D. लमही (B)

**व्याख्या:** वाराणसी का प्राचीन और धार्मिक नाम 'काशी' है।

6. कबीर हिन्दी साहित्य के भक्तिकाल की किस धारा के प्रतिनिधि कवि थे?

- A. राम भक्ति  
B. प्रेमाश्रयी  
C. ज्ञानाश्रयी  
D. कृष्ण भक्ति (C)

**व्याख्या:** कबीर ज्ञानाश्रयी शाखा के प्रमुख कवि माने जाते हैं।

7. कबीर को 'वाणी का डिक्टेटर' किसने कहा है?

- A. आचार्य रामचंद्र शुक्ल  
B. आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी  
C. आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी  
D. डॉ० नगेन्द्र (B)

**व्याख्या:** आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी ने कबीर को 'वाणी का डिक्टेटर' कहा है।

8. कबीर की भाषा है —

- A. ब्रजभाषा  
B. सधुक्कड़ी  
C. अवधी  
D. भोजपुरी (B)

**व्याख्या:** कबीर ने अपनी रचनाओं में सधुक्कड़ी भाषा का प्रयोग किया है, जो अनेक बोलियों का मिश्रण है।

9. "एकै खाक गढे सब भांडै, एकै कोहरा सांनां।" इस पंक्ति के 'खाक' और 'कोहरा' शब्द में कौन-सा अलंकार है?

- A. श्लेष  
B. रूपकातिशयोक्ति  
C. अनुप्रास  
D. रूपक (D)

**व्याख्या:** यहाँ खाक (मिट्टी) और कोहरा (कुम्हार) के माध्यम से रूपक अलंकार है, जो मानव समानता को दर्शाता है।

10. 'दोजग' शब्द का क्या अर्थ है?

- A. नरक  
B. दूसरा  
C. दूसरों का  
D. इनमें कोई नहीं (A)

**व्याख्या:** 'दोजग' शब्द का अर्थ होता है 'नरक' - विशेष रूप से इस्लामी धार्मिक मान्यता में।